SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 12 (Jan-Mar 2003)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

2003

सहस्राब्दी अंक *बारह*

जनवरी-मार्च

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

यह अंक : 5

सृजन-परिदृश्य

कुमार अम्बुज की दस कविताएँ 7
सर्वेन्द्र विक्रम की पाँच कविताएँ 14
पारचून : कवि, कविता और समाज पर अंधाधुंध टिप्पणियाँ : **अरुण कमल** 19

संवाद : कविता का भविष्य

समाचार समय में कविता : **विजय कुमार** 24
कविता और पंडोरा की पेटी से आती एक धीमी आवाज : **राजेश जोशी** 33
क्यों नहीं समझ में आती कविता ? : **रघुवंश मणि** 37
कविता का आवास : **सविता सिंह** 45
समकालीन कविता : सवालों के घेरे में : **कपिलदेव** 48
कविता का उत्तर-जीवन और उसके निहितार्थ : **परमानन्द श्रीवास्तव** 54

स्मरण

कविता का भविष्य और नाजिम हिकमत : **सुरेश सलिल** 61
संघर्षशील जनता का लेखक : हावर्ड फास्ट : **गिरीश मिश्र** 71

बातचीत

कविता पर भरोसा करते हुए : **केदारनाथ सिंह/अनामिका** 76
जिन्दगी के मरुस्थल में रेत के ऊपर
हरी पत्ती का आश्चर्य : **विनोद कुमार शुक्ल/महावीर अग्रवाल** 81

मूल्यांकन-परिदृश्य

कुँवरनारायण की कविता का अन्तःकरण : **विनोद दास** 84
कविता जहाँ सबसे पहले आत्मीय संवाद है : **वीरेश चन्द्र** 89
अवसाद और आशावाद : **जयप्रकाश** 96
स्फीति के बरक्स सारांश : **पंकज चतुर्वेदी** 107
कविता के प्रदेश के बाहर कविता : **शम्भु गुप्त** 116

आलोचना-परिदृश्य

किसकी विश्व-व्यवस्था : परस्पर विरोधी विश्वदृष्टियाँ : **नोआम चोम्स्की** 121
स्थानीयता और राष्ट्रीयता : राहुल-दृष्टि की प्रासंगिकता : **पूरनचन्द्र जोशी** 133
उत्तरआधुनिकतावाद, उत्तरउपनिवेशवाद और भारत : **अवधेश कुमार सिंह** 147
आलोचना, इतिहास और समकालीनता : **राजेन्द्र कुमार** 157